ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

साखी(कबीर)

कक्षा-दसवी

विषय-हिन्दी

पाठ -३

पाठ का नाम –साखी (कबीर)

PPT-1

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

कवि परिचय

- **कवि - कबीरदास**
  जन्म - (लहरतारा , काशी)
  मृत्यु - (मगहर , उत्तरपरदेश)
- **कबीर के (लगभग 14वीं-15वीं शताब्दी) जन्म स्थान के बारे में विद्वानों में मतभेद है परन्तु अधिकतर विद्वान इनका जन्म काशी में ही मानते हैं, जिसकी पुष्टि स्वयं कबीर का यह कथन भी करता है।**
- **भारत के महान संत और आध्यात्मिक कवि कबीर दास का जन्म वर्ष 1440 में और मृत्यु वर्ष 1518 में हुई थी। इस्लाम के अनुसार 'कबीर' का अर्थ महान होता है। कबीर पंथ एक विशाल धार्मिक समुदाय है जिन्होंने संत आसन संप्रदाय के उत्पन्न कर्ता के रुप में कबीर को बताया। कबीर पंथ के लोग को कबीर पंथी कहे जाते है जो पूरे उत्तर और मध्य भारत में फैले हुए है। संत कबीर के लिखे कुछ महान रचनाओं में बीजक, कबीर ग्रंथावली, अनुराग सागर, सखी ग्रंथ आदि है। ये स्पष्ट नहीं है कि उनके माता-पिता कौन थे लेकिन ऐसा सुना गया है कि उनकी परवरिश करने वाला कोई बेहद गरीब मुस्लिम बुनकर परिवार था। कबीर बेहद धार्मिक व्यक्ति थे और एक महान साधु बने। अपने प्रभावशाली परंपरा और संस्कृति से उन्हें विश्व प्रसिद्धि मिली।**

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ प्रवेश

- 'साखी ' शब्द ' साक्षी ' शब्द का ही (तद्भव) बदला हुआ रूप है। साक्षी शब्द साक्ष्य से बना है। जिसका अर्थ होता है -प्रत्यक्ष ज्ञान अर्थात जो ज्ञान सबको स्पष्ट दिखाई दे। यह प्रत्यक्ष ज्ञान गुरु द्वारा शिष्य को प्रदान किया जाता है। संत (सज्जन) सम्प्रदाय (समाज) में अनुभव ज्ञान (व्यवाहरिक ज्ञान) का ही महत्व है -शास्त्रीय ज्ञान अर्थात वेद , पुराण इत्यादि का नहीं। कबीर का अनुभव क्षेत्र बहुत अधिक फैला हुआ था अर्थात कबीर जगह -जगह घूम कर प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करते थे। इसलिए उनके द्वारा रचित साखियों मे अवधि , राजस्थानी , भोजपुरी और पंजाबी भाषाओँ के शब्दों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। इसी कारण उनकी भाषा को 'पचमेल खिंचड़ी ' अर्थात अनेक भाषाओँ का मिश्रण कहा जाता है। कबीर की भाषा को सधुक्कड़ी भी कहा जाता है।
  ' साखी ' वस्तुतः (एक तरह का) दोहा छंद ही है जिसका लक्षण है 13 और 11 के विश्राम से 24 मात्रा अर्थात पहले व तीसरे चरण में 13 वर्ण व दूसरे व चौथे चरण में 11 वर्ण के मेल से 24 मात्राएँ। प्रस्तुत पाठ की साखियाँ प्रमाण हैं की सत्य को सामने रख कर ही गुरु शिष्य को जीवन के व्यावहारिक ज्ञान की शिक्षा देता है। यह शिक्षा जितनी अधिक प्रभावशाली होगी, उतनी ही अधिक याद रहेगी।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न

- ईश्वर की महिमा के बारे मैं आप क्या जानते हैं ?
- क्या आप को दोहे के बारें में ज्ञान है ?
- क्या आपने कबीर की कोई रचनाएं पढ़ी है ?
- क्या आप को ब्रज भाषा में ज्ञान है ?
- जीवन में नैतिक मूल्य का क्या महत्व है ?
- मधुर वचन का क्या महत्व है ?
- प्रेम के महत्व के बारें में आप का क्या विचार है ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ सार

- इन साखियों में कबीर ईश्वर प्रेम के महत्त्व को प्रस्तुत कर रहे हैं। पहली साखी में कबीर मीठी भाषा का प्रयोग करने की सलाह देते हैं ताकि दूसरों को सुख और और अपने तन को शीतलता प्राप्त हो। दूसरी साखी में कबीर ईश्वर को मंदिरों और तीर्थों में ढूंढने के बजायें अपने मन में ढूंढने की सलाह देते हैं। तीसरी साखी में कबीर ने अहंकार और ईश्वर को एक दूसरे से विपरीत (उल्टा) बताया है। चौथी साखी में कबीर कहते हैं कि प्रभु को पाने की आशा उनको संसार के लोगो से अलग करती है। पांचवी साखी में कबीर कहते हैं कि ईश्वर के वियोग में कोई व्यक्ति जीवित नहीं रह सकता, अगर रहता भी है तो उसकी स्थिति पागलों जैसी हो जाती है। छठी साखी में कबीर निंदा करने वालों को हमारे स्वभाव परिवर्तन में मुख्य मानते हैं। सातवीं साखी में कबीर ईश्वर प्रेम के अक्षर को पढने वाले व्यक्ति को पंडित बताते हैं और अंतिम साखी में कबीर कहते हैं कि यदि ज्ञान प्राप्त करना है तो मोह - माया का त्याग करना पड़ेगा।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सामान्य उद्देश्य

- सखियाँ प्रमाण है कि सत्य का प्रत्यक्ष ज्ञान देता हुआ ही गुरु शिष्य को जीवन के तत्व ज्ञान की शिक्षा देता है ।

विशिष्ट उद्देश्य

- मधुर वचन,प्रेम का महत्व के बारें में विशेष रूप से उजागर करने से समाज का हित साधन होगा

• गृहकार्य

- पाठ का पहला पद को पढ़ कर उनके कठिन शब्दों को रेखांकित कीजिए

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow